बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

जनवरी, 2024

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A)	आपदा पूर्व चेतावनी देगा 'नीतीश' सुरक्षा कवच	03
(B)	मीडिया में प्राधिकरण की गतिविधियों की व्यापक कवरेज	05
(C)	माननीय मुख्यमंत्री ने कैलेंडर का किया लोकार्पण, डिजिटली भी उपलब्ध	06
(D)	गंगा में नौका डूबी, प्राधिकरण के प्रशिक्षित तैराकों ने बचाई जानें	07
(E)	आगे बढ़ने का सबसे बड़ा हथियार शिक्षा : श्री अशोक चौधरी	08
(F)	भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा के दौरान विविध आयोजन	10
(G)	दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम	12
(H)	अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण एनएसडीसी से	15
(I)	बालासोर दुर्घटना–पीड़ितों के पुनर्वास–पुनर्प्राप्ति हेतु समन्वित प्रयास	16
(J)	जनवरी माह में 'हिंदी हैं हम' का आयोजन	19
(K)	आपदा प्रबंधन में नवीनतम तकनीक का प्रयोग	20
(L)	शिक्षकों का तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम	21
(M)	सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण	22
(N)	मदरसों के 254 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण	23
(O)	मतदाता दिवस पर प्राधिकरण कर्मियों ने ली शपथ	24
(P)	प्रशिक्षित जीविका दीदियों ने दिया भूकंप में सुरक्षित रहने का संदेश	25
(Q)	कम्युनिटी रेडियो व टीवी चैनलों पर शीतलहर से बचाव का संदेश	26
(R)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	27
(S)	व्यय विवरणी	28
(T)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	29

(A) आपदा पूर्व चेतावनी देगा 'नीतीश' सुरक्षा कवच

– बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आईआईटी, पटना के सहयोग से तैयार किया आपदाओं की पूर्व चेतावनी देने वाला सुरक्षा उपकरण

– मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा की, बीएसडीआरएन ऐप किया लांच, विभाग के आधुनिकीकृत राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का उद्घाटन

माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार ने 31 जनवरी को सरदार पटेल भवन में आधुनिकीकृत राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन तथा निर्णय समर्थन प्रणाली का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस आधुनिकीकृत व्यवस्था से सभी जिलों के आपातकालीन संचालन केंद्र से एक साथ त्वरित सूचना का आदान–प्रदान हो सकेगा। निर्णय समर्थन प्रणाली की शुरुआत होने से आपदा की स्थिति में अंतर्विभागीय समन्वय और बेहतर होगा, संसाधनों का पूर्वानुमान लगाकर आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन हो सकेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस व्यवस्था की शुरुआत होने से मुझे काफी खुशी हुई है। अब आपदा कार्यों का और बेहतर ढंग से समन्वय के साथ निष्पादित किया जा सकेगा।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यालय में पधारे और वहां की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डा. उदय कांत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्राधिकरण के अद्यतन कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के सहयोग से एक अर्ली वार्निंग डिवाइस विकसित किया गया है, जो दुनिया में अनूठा है। खेत में कार्य करनेवाले मजदूर या बाहर खुले में निकलने वाले व्यक्ति यदि इस डिवाइस को अपने शरीर पर धारण करेंगे तो 30 मिनट पहले ही उन्हें आपदा की पूर्व सूचना मिलने लगेगी जिससे वे सतर्क होकर अपनी सुरक्षा

सुनिश्चित कर सकेंगे। यह डिवाइस शरीर की ऊर्जा से ही चार्ज हो सकेगा। इस मौके पर मौजूद आईआईटी, पटना के प्रोफेसर और कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष डा. राजीव मिश्र ने बताया कि इस डिवाइस का नाम **नी**त–**ती**व्र–**श**क्तिशाली (नीतीश) सुरक्षा कवच है। पेंडेंट की शक्ल के इस इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का अंग्रेजी नाम NITISH - Novel & Intense Technological Intervention for Safety of Human lives रखा गया है। इस घोषणा का सभाकक्ष में मौजूद लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

डा. राजीव मिश्र ने बताया कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आईआईटी, पटना के संयुक्त नाम से इस डिवाइस का पेटेंट भी कराया जाएगा। यह किसान, मजदूर, अनपढ़, दिव्यांग, बच्चे, महिला, बुजुर्ग सबको ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह 100 फीसद सुरक्षित है। बिहार मौसम सेवा केन्द्र के सहयोग से सिर्फ वज्रपात ही नहीं, बाढ़, अत्यधिक गर्मी यानी लू और शीतलहरी जैसी आपदाओं में भी यह पूर्व चेतावनी देगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आईआईटी, पटना अपने ही लैब में अभी ऐसे एक लाख पीस बनाएगा। यह एक लॉकेट की शक्ल का है और आपदा अलर्ट प्राप्त होने पर यह ऑडियो–लाइट तथा कम्पन का सिग्नल देता है ताकि दिव्यांगजन भी इसका उपयोग कर सकें।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क (बिहार स्टेट डिजास्टर रिसोर्स नेटवर्क अर्थात बीएसडीआरएन) का मोबाइल ऐप लांच किया। इसका इस्तेमाल आपदाओं के समय विभिन्न सरकारी तथा रिस्पांस एजेंसियों द्वारा त्वरित व प्रभावी प्रतिक्रिया हेतु किया जा सकेगा। इसमें राज्य के सभी 38 जिलों से कुल छह श्रेणियों में अब तक करीब 65 हजार डाटा संग्रहित किया जा चुका है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन कर रहे हैं। दोनों आपसी समन्वय बनाकर कार्य करते रहें। जो भी नवीनतम कार्य किए जा रहे हैं उसे आपस में साझा करें ताकि दोनों को इसका लाभ मिल सके। जो भी नये–नये डिवाइस और तकनीक प्रयोग में आ रहे हैं, उसके संबंध में लोगों को जागरूक करते रहें। उन्होंने कहा कि केंद्र में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में जब वे केंद्रीय कृषि मंत्री थे उस दौरान आपदा प्रबंधन के कार्यों की शुरुआत कराई थी। राज्य में जनता ने जब सेवा करने का मौका दिया तब से यहां आपदा प्रबंधन को लेकर कई बेहतर और जरूरी कार्य किए गए हैं। आपदा के दौरान एक–एक कार्यों की बेहतर ढंग से निगरानी करते रहें।

(B) मीडिया में प्राधिकरण की गतिविधियों की व्यापक कवरेज

दैनिक भास्कर पटना 01-02-2024

मुख्यमंत्री ने आपातकालीन संचालन केंद्र और निर्णय समर्थन प्रणाली का शुभारंभ किया

अपने शरीर पर 'नीतीश' डिवाइस लगाएंगे तो 30 मिनट पहले आपदा का अलर्ट मिल जाएगा

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल भवन (पुलिस मुख्यालय) में आधुनिक राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का उद्घाटन किया तथा निर्णय समर्थन प्रणाली का शुभारंभ किया। उन्होंने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत मिश्रा ने बताया कि आईआईटी पटना से सहयोग से एक अलर्टिंग डिवाइस विकसित की गई है। इसके माध्यम से खेत में कार्य करनेवाले मजदूर या बाहर निकलने वाले व्यक्ति इस डिवाइस को अपने शरीर पर लगाएंगे तो 30 मिनट पहले ही आपदा (वज्रपात, बाढ़, लू और शीतलहर) की सूचना मिलने लगेगी जिससे वे सतर्क हो जाएंगे। पेंडेंट की शक्ल में यह डिवाइस शरीर की ऊर्जा से ही चार्ज होगा। डिवाइस का नाम शक्तिशाली जीवन सुरक्षा कवच 'नीतीश' (नॉवेल एंड इंटेंस टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशन फॉर सेविंग ह्युमन लाइवस) रखा गया है।

मुख्यमंत्री बोले-आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन होगा

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रखंड स्तर तक की जानकारी उपलब्ध कराने वाले एप का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 से ही आपदा प्रबंधन पर काम हो रहा है। पहले आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कुछ नहीं होता था। सरदार पटेल भवन में आपदा के कार्यों के लिए अलग से सब कुछ बनाया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दोनों का काम यहां से होता है। इस आधुनिकीकृत व्यवस्था से सभी जिला आपातकालीन संचालन केंद्रों से एक साथ त्वरित सूचना का आदान-प्रदान हो सकेगा। निर्णय समर्थन प्रणाली की शुरुआत होने से आपदा की स्थिति में अंतर्विभागीय समन्वय और बेहतर होगा। संसाधनों का पूर्वानुमान लगाकर आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, डीजीपी आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, एडीजी (मुख्यालय) श्री जेएस गंगवार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

लॉकेट 'नीतीश' का कराया जाएगा पेटेंट

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। वज्रपात जैसी आपदा से बिहारवासियों को बचाने के लिए विकसित जीवन सुरक्षा लॉकिट नीतीश का पेटेंट कराया जाएगा। जल्द ही इसके लिए आवेदन किए जाएंगे। इसकी जानकारी आईआईटी पटना कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव मिश्रा ने दी।

उन्होंने बताया कि नीतीश पेंडेंट (लॉकिट) का पेटेंट प्राधिकरण एवं आईआईटी पटना के संयुक्त नाम से कराया जाएगा। आईआईटी पटना अपनी प्रयोगशाला में इस उपकरण के एक लाख पीस बनाएगा। पहले चरण में प्राधिकरण की ओर से दस हजार लॉकिट (पेंडेंट) का आर्डर प्राधिकरण की तरफ से आया है। इसके लिए प्राधिकरण और आईआईटी के बीच एमओयू हो चुका है।

01 हजार रुपए आ रही है अभी लॉकेट की कीमत

■ पहले चरण में एक लाख पीस बनाए जाएंगे

पेंडेंट कैसे करेगा काम

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कान्त बताते हैं कि नीतीश पेंडेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह शरीर की ऊर्जा और गर्माहट से ही रिचार्ज होता रहता है। लोग गले में पहनेंगे। यह वाटरप्रूफ है। किसान, मजदूर, अनपढ़, दिव्यांग, बच्चे, महिला, बुजुर्ग आदि को ध्यान में रखकर बनाया गया है। वज्रपात की चेतावनी के समय इससे वॉयस मैसेज सुनाई देगा। यह वाइब्रेट भी करेगा। इसका रंग हरे से लाल हो जाएगा। स्वीच ऑफ होने तक यह बजता रहेगा।

सौ फीसदी सुरक्षित व शक्तिशाली है लॉकेट

उन्होंने दावा कि नतीत तीव्र शक्तिशाली (नीतीश) लॉकिट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस 100 फीसदी सुरक्षित है। इसका अंग्रेजी नाम है – नॉवेल एंड इनोवेटिव टेक्नोलॉजिकल इंटरवेनशन फॉर सेफ्टी ऑफ ह्यूमन लाइव्स। बिहार मौसम सेवा केन्द्र के सहयोग से नीतीश पेंडेंट वज्रपात ही नहीं, बाढ़, अत्यधिक गर्मी यानी लू और शीतलहरी जैसी अनेक आपदाओं से पहले, ससमय, पूर्व चेतावनी दे सकेगा।

उन्होंने कहा कि अभी नीतीश पेंडेंट में लगाये जाने पुर्जों में एक को आयातित करना पड़ रहा है। इस कारण पेंडेंट की लागत करीब 1000 रुपये आ रही है। प्रयास यह है कि आयातित पुर्जे को आईआईटी पटना में ही डिजाइन कर लिया जाए।

ऐसा होने से लॉकिट की कीमत 20 फीसदी कम हो जाएगी। प्रो. राजीव मिश्रा, डॉ. अरजीत राय और आकाश की टीम ने नीत, तीव्र, एवं शक्तिशाली सुरक्षा कवच का निर्माण किया। इसी का पेटेंट कराया जाएगा। इसका आकार 47 मिमी गुणा 48 मिमी गुणा 16 मिमी है। वजन सिर्फ 43 ग्राम है।

अब लोगों को 30 मिनट पहले मिलेगी आपदा की सूचना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरदार पटेल भवन में अत्याधुनिक राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राजधानी पटना के सरदार पटेल भवन में अत्याधुनिक राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने 'निर्णय समर्थन प्रणाली' का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्यमंत्री बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यालय में गए और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, कार्यों की समीक्षा की। इस मौके पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत मिश्रा ने प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया कि एक अलर्टिंग डिवाइस की जल्द शुरुआत की जाएगी। इसके माध्यम से खेत में कार्य करनेवाले मजदूरों एवं घरों से बाहर निकलनेवाले व्यक्ति इस डिवाइस को अपने शरीर पर लगाएंगे तो 30 मिनट पहले ही उन्हें आपदा की सूचना मिलने लगेगी। जिससे वे सतर्क हो जाएंगे। यह डिवाइस शरीर की ऊर्जा से ही चार्ज हो सकेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रखंड स्तर तक की जानकारी उपलब्ध करानेवाले एप का भी शुभारंभ किया।

सरदार पटेल भवन स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से आधुनिक सुविधाओं से लैस आपातकालीन संचालन केंद्र का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। • सौ : सूचना एवं जनसंपर्क विभाग।

आपदा की स्थिति में अंतरविभागीय समन्वय और बेहतर होगा : प्रत्यय

समीक्षा बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस आधुनिकीकृत व्यवस्था से सभी जिला आपातकालीन संचालन केंद्र से एक साथ त्वरित सूचना का आदान-प्रदान हो सकेगा। निर्णय समर्थन प्रणाली की शुरुआत होने से आपदा की स्थिति में अंतरविभागीय समन्वय और बेहतर होगा। संसाधनों का पूर्वानुमान लगाकर आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन हो सकेगा।

आपदा अलर्ट संबंधी नई तकनीक के बारे में लोगों को करें जागरूक

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन कर रहा है। दोनों आपसी समन्वय बनाकर कार्य करते रहें। जो भी नवीनतम कार्य किए जा रहे हैं, उसे आपस में साझा करें, ताकि दोनों को इसका लाभ मिल सके। जो नये-नये डिवाइस और तकनीक प्रयोग किए जा रहे, उनके संबंध में लोगों को जागरूक करते रहें।

पत्रकारों से बोले सीएम, विकास कार्यों को प्रचारित-प्रसारित करें

पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमलोग पूरे बिहार के विकास के लिए रात-दिन काम कर रहे हैं। आपलोगों से आग्रह है कि बिहार में हो रहे विकास कार्यों को प्रचारित-प्रसारित करिए। बिहार में सरकार में आने के बाद वर्ष 2007 से ही हम आपदा प्रबंधन को लेकर काम कर रहे हैं। पहले आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कुछ नहीं होता था। मेरे कहने पर ही सरदार पटेल भवन में आपदा के कार्यों के लिए अलग से सबकुछ बनाया गया है।

आइएनडीआइए में कोई काम नहीं हो रहा था : नीतीश

राज्य ब्यूरो, पटना : सरदार पटेल भवन में आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आइएनडीआइए संबंधी सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो नाम भी कुछ दूसरा कह रहे थे, लेकिन मेरी बात नहीं मानी गई। वे लोग अपने मन से नाम रख दिए। गठबंधन में मेरे कहने पर कोई काम नहीं हो रहा था। आपलोगों को उसकी हालत पता ही है। आज तक उस गठबंधन में सीटों को लेकर फैसला नहीं हो पाया। कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इन सब पर कोई चर्चा नहीं। तब हमने गठबंधन छोड़ने का फैसला लिया। जिनके साथ हम पहले थे अब फिर से वहां आ गए हैं। अब सब दिन हम इधर ही रहेंगे। हम केवल विकास के काम में लगे रहते हैं और आगे भी लगे रहेंगे।

कार्यक्रम में ये अधिकारी थे मौजूद : मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, प्राधिकरण के सदस्य पीएन राय, कौशल किशोर मिश्र तथा मनोज कुमार सर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एवं गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जेएस गंगवार व अन्य लोग उपस्थित थे।

قومی تنظیم

پٹنہ: وزیر اعلیٰ نتیش کمار نے سردار پٹیل بھون میں موڈرن اسٹیٹ ایمرجنسی سنٹر کا افتتاح کیا۔ اس موقع پر وزیر اعلیٰ نے افسران کے ساتھ میٹنگ کی اور وہاں کے انتظامات کا جائزہ لیا۔

وزیر اعلیٰ نے موڈرن اسٹیٹ ایمرجنسی سنٹر کا افتتاح کیا

PressWire18

India

Bihar: NITISH's pendant is very useful, know how it will save life in case of disaster, Patna IIT developed it

69 Views

(C) माननीय मुख्यमंत्री ने कैलेंडर का किया लोकार्पण, डिजिटली भी उपलब्ध

माननीय मुख्यमंत्री, बिहार–सह माननीय अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार ने 01 जनवरी को पटना के 1, अन्ने मार्ग स्थित संकल्प सभाकक्ष में प्राधिकरण के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर–2024 का विमोचन किया। इस मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र, प्राधिकरण के सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) और सहायक संपादक श्री संदीप कमल भी मौजूद थे।

कैलेंडर का प्रकाशन विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए प्राधिकरण के जन जागरूकता अभियान का अहम हिस्सा है। मुख्यमंत्री महोदय ने छपी सामग्रियों का गंभीरता से अवलोकन किया। माननीय उपाध्यक्ष व माननीय सदस्यों ने कैलेंडर के विषय वस्तु के बारे में माननीय मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस बार के कैलेंडर की खासियत यह है कि राज्य के जाने–माने कार्टूनिस्ट पवन कुमार ने रेखा चित्रों के माध्यम से आपदाओं में सुरक्षित रहने की जानकारी देने का प्रयास किया है। आसान और सहज भाषा में आपदाओं से बचाव के तरीके बताए गए हैं। इसमें मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 'सुरक्षित शनिवार' की पूरी जानकारी दी गई है। साथ ही कोरोना से बचाव के लिए स्कूलों में संचालित किए जानेवाले 'सुरक्षित गुरुवार' की भी पूरे वर्ष भर की गतिविधियों के बारे में बताया गया है।

इस वर्ष के कैलेंडर में पहली बार क्यूआर कोड का इस्तेमाल किया गया है। इसे स्कैन करने के साथ ही डिजिटली पूरे कैलेंडर को देखा जा सकता है। साथ ही इसकी पीडीएफ भी डाउनलोड की जा सकती है। इस क्यूआर कोड को ज्यादा से ज्यादा शेयर करने से आपदाओं से बचाव का संदेश अधिकतम जनमानस तक पहुंचया जा सकेगा।

(D) गंगा में नौका डूबी, प्राधिकरण के प्रशिक्षित तैराकों ने बचाई जानें

दैनिक भास्कर मुंगेर 05-01-2024

बड़ा हादसा टला • लापरवाही से जिले में समय-समय पर हो रहे नाव हादसे, 200 से अधिक नाव का परिचालन, मात्र 96 ही रजिस्टर्ड

दियारा से सब्जी लेकर आ रहे किसानों की नाव चट्टान से टकराकर गंगा में डूबी, सभी 11 लोग बाल-बाल बचे

भास्कर न्यूज | मुंगेर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र में गुरुवार को गंगा में घने कोहरे के बीच नाव हादसा हो गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, क्योंकि घटना के वक्त समय रहते घाट किनारे उपस्थित गोताखोरों के प्रयास से नाव पर सवार सभी लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। नाव पर लदी सब्जी की बोरियों को भी निकाल लिया गया। जिस नाव का हादसा हुआ, उस पर 11 लोग सवार थे। वहीं घटना के एक भेंट बाद नाविक अपने नाव को पानी से निकालकर नाव लेकर भागने में सफल रहा। जिस नाव का हादसा हुआ वह सीताचरण गांव के इंदु बिंद की है। उसका निबंधन भी नहीं था यानी नाव अवैध थी।

रेस्क्यू करने वाले गोताखोर शुप्रशांत कुमार, सौरभ कुमार और विशाल कुमार ने बताया कि जिस नाव से हादसा हुआ, वह नाव गंगा के पश्चिमी छोड़ सीताचरण दियारा क्षेत्र से सब्जी की बोरियां लादकर इस पार बबुआ घाट आ रही थी। सुबह-सुबह घना कोहरा रहने के कारण नाविक को घाट का पता नहीं चला और वह रास्ता भटक कर बबुआ घाट से सटे कष्टहरणी घाट के समीप पहुंच गया। घाट पर पहाड़ का चट्टान निकला हुआ है, जिससे घाट से लगभग 20 फीट दूर गंगा के पानी में एक बड़े चट्टान से नाव टकरा गई। गोताखोर ने बताया कि गंगा में नाव की स्पीड काफी तेज थी और उसे कोहरा के कारण घाट के किनारे का पता नहीं चला और अचानक वह पत्थर में टकरा गई, जिस कारण नाव का एक भाग पत्थर से टकराकर ऊपर चढ़ गया और दूसरा भाग गंगा में डूब गया।

कष्टहरणी घाट पर हुआ हादसा, चाय पी रहे गोताखोरों ने मछुआरे की मदद से बचाई सभी की जान

शहर के कष्टहरणी गंगा घाट पर गंगा नदी में कोहरे के बीच दुर्घटनाग्रस्त नाव पर लदी सब्जी की बोरियां।

बचाओ-बचाओ का शोर सुनकर सभी लोग दौड़े पहुंचे

गोताखोर ने बताया कि जब नाव पत्थर से टकरा गई और डूबने लगी तो सवार लोग घबरा गए और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। तभी अचानक बचाने की आवाज आने लगी। गोताखोर शुप्रशांत ने बताया कि वह अपने दो साथियों के साथ ई-रिक्शा चलाकर कष्टहरणी घाट गए हुए थे। घाट के ऊपरी क्षेत्र में वे लोग खड़े होकर चाय पी रहे थे, तभी उन्हें आवाज सुनाई पड़ी और वे लोग एक मछुआरे को दौड़कर बुलाने गए और उसे अपने साथ लेकर अपने अन्य साथियों के साथ जाकर गंगा में डूब रहे सभी लोगों को रेस्क्यू कर बचा लिया। नाव पर सवार सब्जी को बोरी को भी निकाल लिया गया। यदि समय पर उनलोगों के द्वारा सहायता नहीं की जाती तो बड़ा हादसा संभव था।

जिस नाव का हादसा, उसका नहीं था लाइसेंस

सदर अनुमंडल क्षेत्र में लगभग 200 से अधिक नाव चल रही है। जिसमें अवैध चालू होने वाली नाव, मछली मारने वाली नाव के अलावा आमलोगों को बिठाकर गंगा में नाव का परिचालन किया जा रहा है। हेरुंदियारा के पास से नाव पर बालू ढुलाई होती है। बेलवा घाट, लल्लू पोखर, बेकड़ घाट, सीढ़ी घाट और कष्टहरणी घाट के समीप मौजूद नाव के सहारे मछुआरा के द्वारा मछली मारी जाती है। अधिकांश नाव का निबंधन नहीं है। इसके अलावा बबुआ घाट, मय तौफिर घाट, सीताकुंड डीह घाट, मनियारचक, महेशपुर, कल्याण टोला और फुलकिया घाट के समीप से लोगों को नाव पर बिठाकर आवागमन किया जाता है। प्रशासनिक अधिकारी के मुताबिक अभी तक मात्र 96 नाव का ही निबंधन हुआ है। बांकी के सभी नाव बिना निबंधन के परिचालित हो रहे हैं।

पहले भी कई बार हो चुका है नाव हादसा

नाविकों की मनमानी के कारण पहले भी बड़े हादसे हो चुके हैं। घने कोहरे और तेज हवा के बीच भी बिना सुरक्षा के नाव का परिचालन हो रहा है। इतना ही नहीं यहां तो रात के वक्त भी नौका का परिचालन होते अक्सर पाया जाता है। किसी भी नाव पर सुरक्षा के लिए जरूरी किट उपलब्ध नहीं रहता है। जिससे आए दिन नाविक के मनमानी किए जाने से इस तरह की घटना होती रहती है। बीते वर्ष 23 अक्टूबर की देर शाम तौफिर दियारा से लौटने के क्रम में 100 यात्रियों से भरी नाव बीच गंगा में फट जाने से कई लोग गंगा में डूब गए थे, जिसे समय रहते दूसरे नाव से बचाया गया था।

विगत चार जनवरी, 2024 की सुबह मुंगेर में गंगा नदी में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। दर्जनों लोग गंगा में समाने से बाल बाल बचे। दरअसल, सीताचरण दियारा से सब्जी लाद कर मुंगेर के कष्टहरणी घाट एक नाव आ रहा था। इस नाव पर आधा दर्जन से अधिक महिला पुरुष और बच्चे सवार थे। घने कोहरे की वजह से अचानक घाट के करीब गंगा में निकले चट्टान से नाव टकरा डूबने लगा। इससे मौके पर हड़कंप मच गया। नाव पर सवार बच्चे और अन्य लोग चिल्लाने लगे जिनकी चीख–पुकार सुन घाट पर मौजूद स्थानीय गोताखोर सुप्रशांत, विशाल और सौरभ ने गंगा में अपनी नाव उतार दी। कुछ अन्य नाविकों की मदद से सभी को सकुशल घाट किनारे तक पहुंचाया गया। सुप्रशांत, विशाल और सौरभ के साहसिक कार्य की सभी ने सराहना की। इन तीनों प्रशिक्षित तैराकों ने एक वीडियो जारी कर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का विशेष रूप से आभार जताया, जिनके प्रशिक्षण की बदौलत वे इतने लोगों की जान बचा सके।

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य डूबने से होनेवाली मौतों को रोकना है। इसके अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा गायघाट, पटना स्थित राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (निनि) के सहयोग से राज्य के चिन्हित युवाओं को तैराकी के मास्टर ट्रेनर्स का 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद ये युवा जिला प्रशासन के सहयोग से सामुदायिक स्तर पर किशोरों को तैराकी का प्रशिक्षण देते हैं। उपरोक्त मास्टर ट्रेनस प्रशिक्षण कार्यक्रम के 18वें बैच में मुंगेर जिले के श्री सुप्रशांत, श्री सौरभ एवं श्री विशाल ने भी मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

(E) आगे बढ़ने का सबसे बड़ा हथियार शिक्षा : श्री अशोक चौधरी

– बिहार रुकनेवाला नहीं, माननीय श्री नीतीश कुमार ने विकास की खींच दी है लंबी लकीर

– बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में राज्य के माननीय भवन निर्माण मंत्री ने रखी अपनी बात

'आगे बढ़ने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है। कोई भी देश या समाज बगैर अच्छी शिक्षा के तरक्की हासिल नहीं कर सकता।' राज्य के भवन निर्माण मंत्री माननीय श्री अशोक चौधरी ने उक्त बातें 18 जनवरी को सरदार पटेल भवन स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर शिक्षाविद् और पटना स्थित ज्ञान निकेतन गर्ल्स स्कूल की संचालिका सुश्री शांभवी ने भी बड़े सधे हुए शब्दों में अपनी बात रखी। प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पारस नाथ राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) ने करतल ध्वनि के बीच माननीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया। माननीय उपाध्यक्ष और माननीय सदस्यों ने माननीय मुख्य अतिथि को प्राधिकरण की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। प्राधिकरण की ओर से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीक के प्रयोग की जानकारी उन्हें दी गई। एआर–वीआर तकनीक के जरिए आपदा जागरूकता संदेशों के प्रसार और आपदा पूर्व चेतावनी हेतु आईआईटी पटना द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के बारे में माननीय मंत्री को बताया गया। प्राधिकरण के सभी कर्मचारी, पदाधिकारी और प्रोफेशनल्स इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अपने संबोधन में श्री चौधरी ने कहा कि मुझे यहां आप लोगों ने बुलाया, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। समाज में अमूमन राजनेताओं को कोई सुनना नहीं चाहता। नेता है, तो खराब ही है, यह आमफहम धारणा हिंदी फिल्मों से बनी है जबकि समाज में और हर पेशे में अच्छे लोग भी हैं, बुरे लोग भी हैं। राज्य

के माननीय मुख्यमंत्री सह प्राधिकरण के माननीय अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार के विजनरी नेतृत्व का जिक्र करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि विकास ने किस तेजी से रफ्तार पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आज बिहार का वार्षिक बजट 2,66,000 करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है। गरीबों, दलितों, पिछड़ों के बच्चों को उन्होंने मुख्यधारा से जोड़ा। बिहार देश का इकलौता राज्य है, जहां 10 रुपये में इंजीनियरिंग की पढ़ाई बच्चे कर रहे हैं। 21वीं सदी के बेहतर बिहार की परिकल्पना और सपने को साकार करने के लिए हमारे नेता दिन–रात काम कर रहे हैं। सात निश्चय पार्ट–1 और पार्ट–2 की विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय नीतीश कुमार ने बिहार में विकास की एक लंबी लकीर खींच दी है। बिहार अब रुकने वाला नहीं है। बिहार दौड़ चला है।

अपने पिता और कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे नौ बार के विधायक, पूर्व मंत्री स्व. महावीर चौधरी का स्मरण करते हुए उन्होंने बताया कि वह शिक्षा पर बहुत जोर देते थे। हमारे परिवार में सभी भाई ऊंचे ओहदे पर हैं और यह सब उच्च शिक्षा और अच्छी शिक्षा की बदौलत ही हुआ है। माननीय मंत्री ने खुद भी पटना विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री के साथ–साथ पीएचडी की उपाधि हासिल कर रखी है। श्री चौधरी ने बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। कहा कि अपने बच्चों के लिए तमाम व्यस्तताओं के बावजूद समय निकालिए। अपने राजनीतिक जीवन की चर्चा करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि मेरे पिताजी नहीं चाहते थे कि उनका कोई लड़का राजनीति में आए। लेकिन मैं दसवीं कक्षा के बाद से ही राजनीति में आने का सपना देखने लगा था। पिताजी की नजरों में पढ़ाई में सबसे कमजोर मैं ही था। ऐसे में उनकी राजनीतिक विरासत संभालने का मौका मुझे ही मिला। वर्ष 2000 में पहली बार मैंने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। बिहार सरकार में मंत्री भी बना।

श्री चौधरी ने कहा कि अगर आप ईमानदारी, सत्य और निष्ठा के साथ किसी कार्य में लगते हैं, तो आपको कोई डिगा नहीं सकता। आपकी कभी पराजय नहीं हो सकती। वर्ष–2000 के शुरुआती वर्षों में मेरे राजनीतिक विरोधियों ने मुझे हर तरह से घेरने की कोशिश की। मुझ पर हत्या जैसे गंभीर अपराध के झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए। अंततः सत्य की जीत हुई और मैं इस दुष्चक्र से बाहर निकल पाया।

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बिहार में किए जा रहे कार्यों के लिए प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि प्राधिकरण आज जिस ऊंचाई पर है, यह भी माननीय श्री नीतीश कुमार जी की ही देन है। आपदा प्रबंधन की अवधारणा ही श्री नीतीश कुमार पहली बार देश में लेकर आए। आपदा पूर्व चेतावनी के लिए आईआईटी, पटना के सहयोग से प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की उन्होंने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

(F) भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा के दौरान विविध आयोजन

- मॉल एवं अस्पताल के कर्मियों को मॉकड्रिल के जरिये आपदा से बचाव की दी जानकारी
- एनडीआरएफ और अग्निशाम सेवाएं के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर ने दी ट्रेनिंग
- राजधानी के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन
- अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को सुरक्षा और भूकंपरोधी निर्माण की प्रशिक्षित अभियंताओं ने दी जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान 15 से 21 जनवरी तक भूकंप सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। जन जागरूकता के इस बडे. अभियान को एक सप्ताह और बढ़ाकर इसे भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा कर दिया गया। इस अवधि में जन जागरूकता के कई कार्यक्रम राज्य भर में चलाए गए। इसमें मॉकड्रिल, रैली, सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, पपेट शो, क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राधिकरण द्वारा एनडीआरएफ और अग्निशाम सेवाएं के सहयोग से राजधानी स्थित पीएम मॉल के सुरक्षाकर्मियों व अधिकारियों को मॉकड्रिल के जरिए आपदा से बचाव की जानकारी प्रदान की गई। राज्य के सभी तकनीकी संस्थानों में सेमिनार का आयोजन हुआ। पपेट शो, नुक्कड़–नाटक एवं माकड्रिल के कार्यक्रम आयोजित किये गए। अभियंता प्रशिक्षकों द्वारा पटना के विभिन्न अपार्टमेंट्स एवं आवासीय कॉलोनी में जाकर लोगों को भूकम्प सुरक्षित निर्माण एवं भूकम्प सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गई। समाचार पत्रों में एडवाइजरी प्रकाशित की गई एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में होर्डिंग्स लगाए गए। जिला स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पटना के बडे. अस्पतालों में शुमार मेदांता अस्पताल के चिकित्सक, पाराचिकित्सक और कर्मियों को

भूकंप सहित अन्य आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। इसे मौके पर प्राधिकरण के वरीय सलाहकार डा. अनिल कुमार पूरी टीम के साथ मुस्तैद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक, पटना–13 में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृखंला में सेमिनार का आयोजन हुआ। एन.आई.टी. पटना के प्रो. डा. शिव शंकर, प्राधिकरण के सलाहकार (तकनीकी) डा. बी.के.सहाय एंव मा. उपाध्यक्ष के आप्त सचिव श्री कुन्दन कु. कौशल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने विचार साझा किए। यहां संपन्न क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को आज पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्राधिकरण के राजमिस्त्री प्रशिक्षकों (स्नातक अभियंता) की दो टीम द्वारा पटना के विभिन्न अपार्टमेंट में जाकर भूकंप सुरक्षित निर्माण एवं भूकंप सुरक्षा सप्ताह से सम्बंधित बैनर व स्टैंडी लगाकर लोगों को जागरूक किया गया तथा आई.सी.ई. सामग्री का वितरण किया गया। टीम में दो महिला अभियंता भी शामिल रहीं। सीपीआर के द्वारा जीवन रक्षा तैयारी और आग से बचाव का संदेश भी दिया गया। राजधानी और आसपास के इलाकों में नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति भी कलाकारों ने की।

- **भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र**

1. राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य द्वारा औपचारिक उद्घाटन का अनुरोध किया गया है, जिसके आलोक में तिथि निर्धारण हेतु प्रस्ताव समर्पित है।

2. भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु एनआईटी, पटना के प्रो० ए.के. सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट समर्पित किया गया है। उनके द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है ।

(G) दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम

आपदाएं बिहार में प्रायः हर साल आती हैं। भूकंप के सर्वाधिक खतरनाक जोन (5 व 4) में इसके 32 जिले हैं। बाढ़, सुखाड़, वज्रपात, चक्रवाती तूफान के साथ–साथ शीतलहर एवं लू से हर साल बिहार जूझता है। मानवजनित सड़क दुर्घटना, नाव दुर्घटना, अगलगी, औद्योगिक दुर्घटना, भगदड़ एवं डूबने की घटनाएं भी यहां घटित होती हैं। किसी भी आपदा की स्थिति में दिव्यांगजन सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। आपदाओं में दिव्यांगों और खासकर विशेष बच्चों को महफूज रखना बड़ी चुनौती है। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों खासकर दिव्यांग बच्चों को विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षित रखना है।

बैठक का उद्देश्य :

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम को **राज्य भर में संचालित किए जाने** के उद्देश्य से समाज कल्याण निदेशालय, निःशक्तता निदेशालय के पदाधिकारीगण, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और मूक–बधिर व नेत्रहीन विद्यालयों के प्राचार्यों–शिक्षकों की एक संयुक्त बैठक दिनांक 18 जनवरी, 2024 को पूर्वाहन 11.00 बजे से प्राधिकरण सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत ने की। इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री पारस नाथ राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा और माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में किए गए फैसले :

- बैठक में शामिल प्रतिभागियों को शुरुआत में प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिव्यांगजन आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना से अवगत कराया गया। मुख्य तौर पर समाज कल्याण

विभाग, यूनिसेफ और दिव्यांग प्रक्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग से यह कार्ययोजना लागू की जाएगी। समाज कल्याण निदेशालय, निःशक्तता निदेशालय, निःशक्तता आयुक्त कार्यालय व सक्षम के अधीन संचालित बुनियाद केन्द्रों की इसमें महती भूमिका होगी।

- दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम को राज्य भर में संचालित किया जाएगा। दिव्यांगजनों और उनके केयरगिवर्स (परिजन/सहायक) को आपदा जोखिम प्रबंधन के बारे में जागरूक किया जाएगा एवं उन्हें आपदाओं एवं आपात स्थितियों के लिए तैयार कर सशक्त बनाया जाएगा।

- दिव्यांगों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया गया है। उनके केयरगिवर्स (परिजन/सहायक) के लिए भी अलग से प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाए जाने का कार्य शुरू किया जाना है।

- प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य निम्नलिखित चार स्तरों में प्राप्त करना है :

1. मूक–बधिर व दृष्टिबाधित शैक्षणिक संस्थानों, चुनिंदा विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं एवं राज्य के सभी 101 अनुमंडलों में कार्यरत बुनियाद केंद्र स्तर के मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण राज्य स्तर पर राज्य आपदा मोचन बल के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

2. राज्य के सभी बुनियाद केंद्र के माध्यम से जिला व अनुमंडल स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग के निर्देशन में आयोजित किया जाएगा एवं आपदा प्रतिक्रिया किट व उपकरण आदि सुविधा प्राधिकरण उपलब्ध कराएगा।

3. सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत एक दिवसीय मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा।

4. राज्य के सभी दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन दिव्यांग प्रक्षेत्र में कार्यरत शैक्षणिक संस्थानों व बुनियाद केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा।

- दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कई विभाग और संस्थाएं अलग–अलग काम करती हैं। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इन सबके साथ समन्वय कायम कर एक फोकल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। इससे योजनाओं में कोई दोहराव (डुप्लीकेसी) नहीं होगी।

- आपदा पूर्व चेतावनी देने के लिए आईआईटी, पटना के सहयोग से बनाए जा रहे पेंडेंट (वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस) दिव्यांगों को भी उपलब्ध कराया जाएगा। अलग–अलग दिव्यांगों की श्रेणी को ध्यान में रखते हुए इसे विकसित किया जा रहा है। यह दृष्टिबाधित, मूक–बधिर और शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर सभी के लिए उपयोग के अनुकूल (यूजर फ्रेंडली) होगा।

- दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने में आ रही कठिनाइयों का जिक्र आशादीप दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की प्राचार्या सिस्टर लिसी ने किया। इसे ध्यान में रख वैशाली और गया जिलों में प्रखंड स्तर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में तीन–तीन दिनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्माण कैंप लगाने का निश्चय किया गया। समाज कल्याण विभाग और संबंधित जिलाधिकारियों को प्राधिकरण की ओर से

पत्र लिखकर कैंप आयोजित करने को कहा जाएगा। कैंप आयोजन में अपेक्षित सहयोग व सुझाव प्राधिकरण की ओर से दिया जाएगा।

- व्यावहारिक तौर पर अगर संभव हो सके तो दिव्यांगों की अलग–अलग श्रेणी के लिए अलग–अलग दिन शिविर लगाने की कोशिश की जानी चाहिए। वैशाली जिले के लिए प्राधिकरण की ओर से डॉ. जीवन कुमार, वरीय सलाहकार, बि.रा.आ.प्र.प्रा. नोडल पदाधिकारी बनाए गए। इसी तरह का कैंप पटना जिले में जेएम इंस्टिट्यूट, इंद्रपुरी और आशादीप दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, दीघा में अलग से लगाने पर विचार किया जा सकता है।

- राज्य में बड़े पैमाने पर नए शिक्षक (स्पेशल एजुकेटर) नियुक्त हुए हैं, नियुक्ति प्रक्रिया अभी चल ही रही है। इन नई भर्ती हो रहे शिक्षकों को उनके प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही आपदाओं से सुरक्षा की भी विशेष ट्रेनिंग दी जाए ताकि वे बच्चों को जागरूक और सुरक्षित रख सकें।

- दिव्यांगता को रोकने के लिए अग्रसक्रिय (प्रोएक्टिव) होकर काम करना होगा। प्राधिकरण ने पूर्व में अगलगी की घटनाओं को रोकने के लिए इसी तर्ज पर कार्य किया है। फायर फाइटिंग की बजाय फायर इंजीनियरिंग पर जोर दिया गया अर्थात आग बुझाने की नौबत न आए। आग लगने ही न दी जाए, इसका पुख्ता बंदोबस्त हो। इसी तरह दिव्यांगता की रोकथाम के लिए गर्भवती माताओं की उचित देखभाल, प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव बाद जच्चा–बच्चा की बेहतर देखभाल करनी होगी।

- गर्भावस्था के दौरान माताएं मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ रहें, इस दिशा में भी कार्य करना होगा। आईसीडीएस, महिला बाल विकास, स्वयंसेवी संस्थाओं, यथा यूनिसेफ और कॉरस्टोन के सहयोग से यह कार्य किया जा सकता है। स्वच्छ पानी, स्वच्छ हवा भी गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है। संबंधित विभागों को इसके लिए आगाह किया जाना जरूरी होगा।

बैठक में जो उपस्थित रहे :

- श्री जसलोक, उपनिदेशक, समाज कल्याण निदेशालय
- श्री प्रभाकर पटेल, सहायक निदेशक, निःशक्तता निदेशालय
- श्री राजीव कुमार, डीआरआर स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ
- श्री सुबीर बनर्जी, प्राचार्य, राजकीय मूक–बधिर विद्यालय
- सुश्री लिसी मैथ्यू, प्राचार्य, आशादीप दिव्यांग पुनर्वास केंद्र
- सुश्री अनुषा कुमारी, शिक्षिका, अंतरज्योति नेत्रहीन बालिका विद्यालय
- श्री संजीव कुमार, सचिव, समर्पण
- सुश्री निशा कुमारी, शिक्षिका, राजकीय मूकबधिर विद्यालय
- श्री प्रेमलाल राय, प्राचार्य, जेएम इंस्टीट्यूट
- कुमारी रजनी, प्रसाद, शिक्षक, मूकबधिर विद्यालय
- श्री संजय पांडेय, कन्वीनर, बी. आई. ए. जी.
- श्री प्रकाश रंजन, शिक्षक, राजकीय नेत्रहीन विद्यालय
- श्री हनुमान सिंह, शिक्षक, राजकीय नेत्रहीन विद्यालय

(उपरोक्त के अतिरिक्त बैठक में प्राधिकरण के प्रोफेशनल्स भी मौजूद रहे।)

(H) अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण एनएसडीसी से

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूकंप के दौरान आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कारपोरेशन (एनएसडीसी) के साथ प्रस्तावित एमओयू के सन्दर्भ में संशोधित ड्राफ्ट दुबारा प्राधिकरण को प्राप्त हुआ जिस पर फिर से विधिक परामर्श लिया गया। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार इसे अन्तिम रूप देने हेतु एनएसडीसी से समन्वय का कार्य किया गया। अंतिम प्रारूप इस सप्ताह प्राप्त होने की संभावना है।

- स्टेट डिजास्टर मिटिगेशन फंड (एसडीएमएफ) के अधीन टेक्निकल अप्रेजल कमेटी (टीएसी) की बैठक दिनांक 21–01–2024 को मा० सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्राधिकरण सभाकक्ष में आहूत हुई। इसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

(I) बालासोर दुर्घटना–बिहार के पीड़ितों के पुनर्वास–पुनर्प्राप्ति हेतु समन्वित प्रयास

2 जून, 2023 को बालासोर ट्रेन दुर्घटना के बाद, बिहार में प्राधिकरण के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग, जीविका (ग्रामीण विकास विभाग), बीआईएजी, रिलायंस फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य इच्छुक हितधारकों की साझेदारी के साथ पीड़ितों एवं परिवारों के सहयोग हेतु समन्वित पहल शुरू की गई और यह आज भी जारी है। पीड़ितों एवं परिवार के जरुरतमंदों को सहायता, पुनर्वास, रेल दावा ट्रिब्यूनल में दावा आवेदन एवं अन्य तकनीकि सहयोग, रिलायंस के समन्वय उनके पुनर्वास हेतु तथा विभागों के सहयोग से सरकार की विभिन योजनाओं का लाभ, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सलाह इत्यादि कार्य जनवरी माह में निरंतर चला। माननीय उपाध्यक्ष की सोच एवं उनकी भावनाओं के अनुरूप प्राधिकरण अंतिम जरूरतमंद तक पहुंचने हेतु कार्यरत है। प्राधिकरण के प्रयास से रिलायंस फाउंडेशन ने पशुधन सहयोग, नौकरी एवं कौशल प्रशिक्षण हेतु चिन्हित पीड़ित परिवारों हेतु दीर्घकालीन योजना पर कार्य कर रहा है। जल्द ही इसका प्रमाण दिखने लगेगा।

पीड़ित परिवारों से कुछ बच्चों को शिक्षा हेतु दीर्घकालीन सहयोग की आवश्यकता महसूस हुई। तत्काल अदानी फाउंडेशन से संपर्क किया गया एवं उन्हें इस कार्य में सहयोग का आग्रह किया गया है। विस्तृत सर्वेक्षण से जो आंकड़े आये, उनके आधार पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) उनके दीर्घकालीन पुनर्वास पर कार्य कर रहा है। वहां की प्राध्यापक सुश्री जैकलीन ने खुद 03 दिन तक पीड़ित परिवारों के साथ संपर्क किया एवं अद्यतन स्थिति साझा किया। बैरिया स्थित भारत विकास एवं संजय आनंद दिव्यांग अस्पताल का सुश्री जैकलीन ने दौरा किया एवं इसके संस्थापक श्री विमल कुमार जैन (पद्मश्री) से आपसी सहयोग हेतु वार्ता किया। अस्पताल के श्री राजीव रंजन के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की गई, जिन्होंने हमें विकलांगता मुक्त बिहार की दृष्टि से पिछले 25 वर्षों में संस्था के अच्छे कार्यों की जानकारी दी। ट्रेन हादसे में गंभीर रूप से घायल को आगे इलाज विकलांग हो चुके गरीबों को अस्पताल द्वारा निःशुल्क सेवा हेतु तैयार है।

डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण

यूनिसेफ द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) रोडमैप अद्यतीकरण का कार्य प्रगति पर है और अन्तिम चरण में है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय की सोच के अनुरूप पूरे ड्राफ्ट का नए सन्दर्भ में एवं इसकी व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए पुनर्लेखन किया गया है। रोडमैप को व्यावहारिक और क्रियान्वयन योग्य बनाने के लिए सतत निगरानी तंत्र भी तैयार किया जा रहा है

विभागवार पुस्तिका पर भी कार्य चल रहा है। शिक्षा विभाग की पुस्तिका के आरंभिक प्रारूप में संशोधन हेतु सुझाव दिया गया है। इसे अंतिम रूप दिए जाने के बाद अन्य विभागों की पुस्तिका तैयार की जाएगी। तत्पश्चात सम्बंधित विभागों के साथ उन्मुखीकरण कार्यशाला किया जाना है। साथ ही इसका हिंदी अनुवाद भी तैयार किया जाना है।

हीट एक्शन प्लान एवं कोल्ड एक्शन प्लान

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान बनाने के लिए, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), गांधीनगर के साथ एक समझौते (एमओयू) के तहत कार्य चल रहा है। योजना विभाग एवं बिहार मौसम सेवा केंद्र से डाटा संग्रह हेतु विशेष सहयोग का आग्रह किया गया है। बिहार मौसम सेवा केंद्र एवं भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) से प्राप्त जलवायु से सम्बंधित सारे डाटा एवं दस्तावेज आईआईपीएच के साथ साझा कर दिया गया है। आईआईपीएच, गांधीनगर ने 31 जनवरी, 2024 तक कोल्ड एक्शन पालन का पहला ड्राफ्ट प्रस्तुत किया। संस्थान के साथ माननीय उपाध्यक्ष, माननीय सदस्यों एवं सभी प्रोफेशनल्स के समक्ष 04 एवं 05 जनवरी को विस्तृत चर्चा हुई एवं ड्राफ्ट में संशोधन के अनेक सुझाव दिए गए। संशोधित ड्राफ्ट भी 31 जनवरी को प्राप्त हो गया। एमओयू के अनुसार इसे 31 मार्च, 2024 तक अंतिम रूप से तैयार कर स्वीकृत करा लेना है।

जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित कार्य

यूएनईपी के बिहार के लिए निम्न कार्बन विकास मार्ग पर बिहार प्रदूषण नियंत्रण परिषद् एवं वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग स्तर की अंतिम बैठक में सम्मिलित हुआ एवं प्राधिकरण की इसके कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। खासकर इस क्षेत्र में क्षमतावर्धन हेतु प्राधिकरण अग्रणी भूमिका निभा सकता है। हरित हाइड्रोजन नीति पर कार्य शुरू किये जाने जी आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही क्षमता विकास एवं संवेदीकरण/जागरूकता के लिए जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित विषयों पर स्वास्थ्य विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि विभाग, नगर विकास विभाग एवं जल संसाधन विभाग के साथ संयुक्त कार्यक्रमों की रूपरेखा पर कार्य चल रहा है। बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति से स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कर्मियों के क्षमतावर्द्धन हेतु 01–02 दिवसीय कार्यशाला/प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव भी आया एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय की आरंभिक स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। राज्य स्वास्थ्य समिति से औपचारिक प्रस्ताव आने के बाद प्रक्रिया के तहत इस कार्य को आगे बढ़ाने की योजना है।

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर मॉडल एवं एआई की भूमिका

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर एवं 3डी मॉडल पर एक कांसेप्ट नोट तैयार किया गया जिसे आगे बढने पर सहमति बनी। आपदा प्रबंधन में तैयारी, प्रतिक्रिया, शमन, जागरूकता एवं क्षमता निर्माण इन मॉडल्स के माध्यम से प्राधिकरण की क्षमतावर्द्धन किया जा सकता है। इस कार्य हेतु एक कंसलटेंट नियोजित करने का निर्णय हुआ है। पीडब्लूसी, केपीएमजी और डिलॉयट से ईमेल द्वारा पत्राचार किया गया है। निदेशानुसार अन्य सॉफ्टवेयर संस्थाओं से भी संपर्क किया गया। मुंबई की कंपनी टेक्नोट्रोव से संपर्क किया गया। भूकम्प एवं अग्नि शमन पर उनका प्रस्तुतीकरण प्रोफेशनल स्तर पर किया गया एवं बिहार के सन्दर्भ में भूकंप के ऊपर वीआर मॉडल प्रस्तुत करने को कहा गया। फरवरी, 2024 के प्रथम सप्ताह में उनका प्रस्तुतीकरण ऑनलाइन मोड में अपेक्षित है। इसके साथ ही दिल्ली की संस्था सिमुलानिस का भी प्रथम प्रस्तुतीकरण 24 जनवरी, 2024 को हुआ। उन्हें आवश्यक सुधार करने के बाद नया प्रस्तुतीकरण देने का निर्देश माननीय उपाध्यक्ष महोदय द्वारा हुआ।

बेंगलुरु की कंपनी येलो एआई ने भी 24 जनवरी, 2024 को प्राधिकरण के कार्य तंत्र के साथ आर्टिफिशियल इंटीग्रेशन एवं इसके त्वरित संचार के ऊपर माननीय उपाध्यक्ष एवं माननीय सदस्यों के समक्ष ऑनलाइन मोड में प्रस्तुतीकरण किया। निदेशानुसार सुझावों को शामिल कर उनका नए रूप में 31 जनवरी, 2024 को प्रस्तुतीकरण ऑनलाइन मोड में हुआ। पुनः नए संशोधन सुझाए गए हैं। उनका अगला प्रस्तुतीकरण सात दिन बाद अपेक्षित है।

शीतलहर से संभावित प्रभाव एवं नाजुक समुदायों से सम्बंधित तैयारियों का रैपिड सर्वेक्षण

निदेशानुसार शीतलहर से संभावित प्रभाव एवं नाजुक समुदायों के बचाव हेतु सम्बंधित तैयारियों के रैपिड सर्वेक्षण के लिए कई स्वयंसेवी संस्थाओं से संपर्क किया गया एवं उन्हें इस सर्वेक्षण हेतु सक्रिय भूमिका के लिए आग्रह किया गया। स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से यह कार्य इन जिलों में 01–15 जनवरी, 2024 के बीच संपन्न हुआ। इनकी रिपोर्ट प्राधिकरण को प्राप्त हो चुकी है।

1. अररिया – बीआईएजी / युगांतर 2. सीतामढ़ी – बीआईएजी / युगांतर 3. नवादा – कैरिटास इंडिया 4. गया – आईजीएसएसएस

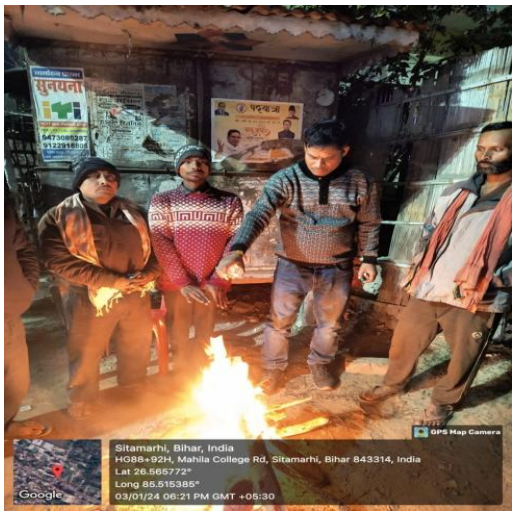

(J) जनवरी माह में 'हिंदी हैं हम' का आयोजन

हर माह की 14 तारीख को हिंदी दिवस मनाने के निर्देश के आलोक में जनवरी, 2024 महीने में हिंदी दिवस कार्यक्रम 'हिंदी हैं हम' 19 जनवरी को अपराह्न 3.30 बजे से आयोजित किया गया। 14 जनवरी को अवकाश (रविवार) होने के कारण इसे 19 तारीख को आयोजित किया गया। प्राधिकरण कर्मियों के बीच सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पारस नाथ राय और माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य कार्यालय में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग और शुद्ध हिंदी लिखने और बोलने के लिए कर्मियों को प्रेरित करना है।

जनवरी माह में सामूहिक अकादमिक परिचर्चा

तकनीक के इस दौर में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नित्य नए प्रयोग और परिवर्तन हो रहे हैं। दुनिया में हो रही विभिन्न गतिविधियों और सूचनाओं से स्वयं को लैस रखने के उद्देश्य से प्राधिकरणकर्मियों के बीच हर माह अकादमिक परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। जनवरी–2024 महीने में यह कार्यक्रम दिनांक 09 जनवरी को आयोजित किया गया। भूकंप सुरक्षा सप्ताह इसी महीने मनाया जाता है। जनवरी के पहले हफ्ते में ही जापान में एक बड़ा भूकंप आया। भूकंप सुरक्षा प्रबंधन की जापान की पुख्ता तैयारियों के बावजूद कई मौतें हुई हैं। जापान के बरअक्स हम कहां खड़े हैं, इस मुद्दे पर प्राधिकरण कर्मियों ने अपने विचार रखे। परिचर्चा में भरोसेमंद रिफरेंस के साथ नवीनतम जानकारियां साझा की गईं। परिचर्चा में माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत ने भूकंप के प्रति लोगों को जागरूक करने पर बल दिया। माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय और माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

(K) माननीय मंत्री ने आपदा प्रबंधन में नवीनतम तकनीक के प्रयोग को जाना

ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर)/वर्चुअल रियलिटी (वीआर) जैसी नवीनतम तकनीक का आपदा प्रबंधन में व्यापक प्रयोग हेतु बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कटिबद्ध है। इस सन्दर्भ में हैदराबाद की संस्था सीएचआरपी द्वारा दिसंबर महीने में सोनपुर मेला में प्राधिकरण के पैवेलियन में सफल डिमांस्ट्रेशन किया गया। तदुपरांत भूकंप सुरक्षा सप्ताह 15–21 जनवरी, 2024 के लिए पटना में उन्हें भूकंप व अग्निशमन की जानकारी देने हेतु निदेशित किया गया। इस नवीनतम तकनीक के इस्तेमाल हेतु माननीय मंत्री, भवन निर्माण विभाग श्री अशोक चौधरी ने सीएचआरपी की टीम से जानकारी प्राप्त की तथा इसका अनुभव भी लिया। उन्होंने प्राधिकरण को नवीनतम तकनीकों के इस्तेमाल पर बधाई दी और इसे एक सराहनीय कदम बताया। प्राधिकरण के कार्यक्रमों के अनुसार इन्हे संबंधित 3डी वीडियो फिल्म्स डेवलप करने हेतु निदेशित किया गया है।

बीएसडीआरएन ऐप की खासियतें

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जनवरी माह में लांच की गई बिहार में बिहार स्टेट डिजास्टर रिसोर्स नेटवर्क (बीएसडीआरएन) मोबाइल ऐप के माध्यम से आपदाओं के दौरान त्वरित कार्यवाई गोल्डन ऑवर के अंदर संभव है। बीएसडीआरएन वेब पोर्टल पर अभी तक उपलब्ध लगभग 65,000 आंकड़ों के समुचित इस्तेमाल हेतु एक मोबाइल ऐप विकसित किया गया है जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके निम्नांकित उपयोग हैं –

1. बीएसडीआरएन पर उपलब्ध आंकड़ों का चलंत अवस्था में भी त्वरित आहरण
2. डायरेक्ट दूरभाष संपर्क द्वारा संसाधन प्राप्ति
3. व्हाट्सअप द्वारा सूचना का सुगम आदान– प्रदान
4. सोशल मीडिया पर सूचनाओं का सुगम आदान–प्रदान जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि
5. टेक्स्ट मैसेज का आदान–प्रदान
6. संसाधनों की गूगल मैप पर अवस्थिति
7. सभी संसाधनों की जियो टैगिंग
8. उपलब्ध संसाधनों की त्वरित खोज 5/10 किलोमीटर के दायरे से लेकर 90 किमी तक में

(L) शिक्षकों का तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार) का संचालन एवं सभी विद्यालयों के दो–दो शिक्षक को फोकल शिक्षक का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रखण्ड से एक–एक शिक्षक को तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर कर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

इसी क्रम में माह जनवरी, 2024 में तीन बैचों में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 8–10 जनवरी, 22–24 जनवरी एवं 29–31 जनवरी, 2024 के अन्तराल में आयोजित किया गया। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, भागलपुर, बांका, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जिले से 165 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन इस प्रकार है:–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	16–18 अक्टूबर, 2023	पटना, भोजपुर एवं बक्सर	48
2	1–3 नवम्बर, 2023	कैमुर, रोहतास एवं नालन्दा	50
3	7–9 नवम्बर, 2023	गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद एवं अरवल	61
4	28–30 नवम्बर, 2023	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं पश्चिम चम्पारण	50
5	13–15 दिसम्बर, 2023	पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी एवं शिवहर	49
6	18–20 दिसम्बर, 2023	सारण, सीवान एवं गोपालगंज	52
7	27–29 दिसम्बर, 2023	दरभंगा, समस्तीपुर, एवं मधुबनी	59
8	8–10 जनवरी, 2024	मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, जमुई एवं शेखपुरा	58
9	22–24 जनवरी, 2024	भागलपुर, बांका, सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा	60
10	29–31 जनवरी, 2024	पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज	47
		कुल	**534**

(M) सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलत : हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें, तो वे अपने जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है। इसी क्रम में जनवरी–2024 माह में दिनांक 16–01–2024 से 27–01–2024 तक सिविल डिफेंस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बिहटा, पटना में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। इसमें वैशाली एवं समस्तीपुर जिले के कुल 70 युवाओं ने भाग लिया। इस तरह प्राधिकरण की ओर से अब तक 10 हजार से अधिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(N) मदरसों के 254 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जनवरी–2024 माह में कुल सात बैच में राज्य भर के विभिन्न मदरसों के कुल 254 फोकल शिक्षकों को राजधानी स्थित यूथ हॉस्टल में प्रशिक्षित किया गया। राज्यस्तरीय इस दोदिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने फोकल शिक्षकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। ये फोकल शिक्षक यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने–अपने मदरसों में अन्य शिक्षकों तथा बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे तथा प्रत्येक शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालित करेंगे। मदरसा बोर्ड की ओर से इन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। ये कार्यक्रम मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किए जा रहे हैं जिससे मदरसों में आपदा प्रबंधन हेतु एक सोच विकसित होगी तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपाय सीख पाएंगे। साथ ही सुरक्षित शनिवार सम्बन्धी विभिन्न आपदाओं के वार्षिक चक्र को समझते हुए उनसे बचने के उपाय के जानकारी प्राप्त करेंगे।

(O) मतदाता दिवस पर प्राधिकरण कर्मियों ने ली शपथ

25 जनवरी, 2024 को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभा कक्ष में पूर्वाह्न 10.30 बजे शपथ समारोह आयोजित किया गया। प्राधिकरण के समस्त कर्मियों ने इस मौके पर मताधिकार के प्रयोग की शपथ ली। इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पारस नाथ राय, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र, प्राधिकरण के सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) और अपर सचिव श्री आशुतोष सिंह भी मौजूद थे। प्राधिकरण कर्मियों द्वारा बतौर मतदाता ली गई शपथ इस प्रकार है :

"हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।"

(P) प्रशिक्षित जीविका दीदियों ने दिया भूकंप में सुरक्षित रहने का संदेश

जनवरी–2024 माह में सीतामढ़ी, दरभंगा एवं भागलपुर में जीविका दीदियों के बीच मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से शीतलहर एवं भूकंप से बचाव के संबंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया। विभिन्न जिलों में मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 'सुरक्षित शनिवार' के अन्तर्गत सामाजिक कुरीतियाँ जैसे बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संबंध में छात्राओं के बीच जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। ऐसे कार्यक्रम राज्य भर में निरंतर आयोजित किए जाते हैं।

प्राधिकरण की दो सदस्यीय टीम ने डूबने से हुई मौतों की पड़ताल की

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की दो सदस्यीय टीम के द्वारा दिनांक 2–01–2024 से 06–01–2024 के बीच पटना एवं समस्तीपुर जिलों में छठ पूजा, 2023 के दौरान हुई डूबने से मृत्यु की घटनाओं का अध्ययन किया गया। इस टीम में श्री रवि आनंद, वरीय शोध पदाधिकारी एवं श्री आलोक रंजन, वरीय शोध पदाधिकारी शामिल थे।

(Q) कम्युनिटी रेडियो व टीवी चैनलों पर शीतलहर से बचाव का संदेश

रेडियो जनसंचार का सबसे लोकप्रिय, किफायती और सुलभ माध्यम है। आपदा जागरूकता संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने में कम्युनिटी रेडियो कारगर माध्यम साबित हो सकते हैं। इसी सोच के साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त राज्य के नौ कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर को अपने जन जागरूकता अभियान का हिस्सा बनाया। इन रेडियो की पहुंच दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में है। इनमें से अधिकतर स्थानीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं।

जनवरी–2024 माह में भीषण शीतलहरी को देखते हुए ठंड से बचने के जागरूकता संदेशों का प्रसारण 02 से 15 जनवरी के बीच कम्युनिटी रेडियो की मार्फत किया गया। इसके लिए विशेष तौर पर पुरुष और महिला की आवाज में लोकप्रिय आरजे से स्थानीय भाषाओं में जिंगल्स बनवाए गए। एक कम्युनिटी रेडियो की प्रसारण क्षमता का दायरा लगभग 20 किलोमीटर है।

- दिनांक 4 जनवरी से 10 जनवरी, 2024 के बीच शीतलहर और कोहरे पर प्राधिकरण की ओर से तैयार अलग–अलग दो फिल्में जी न्यूज, न्यूज 18 बिहार–झारखंड और कशिश न्यूज पर प्रसारित की गईं। दिन भर में एक–एक बार (दो फिल्मों के लिए कुल दो बार) इसका प्रसारण किया गया। टाइम स्लॉट सबका अलग–अलग निर्धारित है। पुनः 18 जनवरी से 24 जनवरी के बीच इन जागरूकता फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। 04 जनवरी से 12 जनवरी के बीच यही जागरूकता फिल्में राज्य भर के करीब 70 सिनेमाघरों में भी दिन भर में चार बार दिखाई गईं।

- राजधानी, पटना स्थित विभिन्न चौक–चौराहों पर लगे बड़े–बड़े एलईडी स्क्रीन पर नगर विकास विभाग के सहयोग से शीतलहरी से बचाव का जागरूकता संदेश जनवरी माह में निरंतर प्रसारित किया गया। दानापुर रेलवे स्टेशन के सामने स्क्रीन पर शीतलहर से बचाव वाली प्राधिकरण की फिल्मों के प्रसारण की तस्वीर।

(R) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर जनवरी माह, 2024 में राज्य के कुल 439 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 11 सरकारी एवं 428 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

Month Jan -2024, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise

Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	1	49	50
2	Nalanda	0	0	0	2	12	14
3	Rohtas	0	0	0	3	21	24
4	Bhabhua	0	0	0	1	6	7
5	Bhojpur	0	0	0	0	4	4
6	Buxar	0	0	0	0	3	3
7	Gaya	0	0	0	0	22	22
8	Jehanabad	0	0	0	0	2	2
9	Arwal	0	0	0	0	2	2
10	Nawada	0	0	0	0	5	5
11	Aurangabad	0	0	0	0	14	14
12	Chhapra	0	0	0	0	1	1
13	Siwan	0	0	0	0	9	9
14	Gopalganj	0	0	0	0	14	14
15	Muzaffarpur	0	1	1	0	31	31
16	Sitamarhi	0	0	0	0	8	8
17	Sheohar	0	0	0	0	1	1
18	Bettiah	0	0	0	0	0	0
19	Bagaha	0	0	0	0	1	1
20	Motihari	0	0	0	0	15	15
21	Vaishali	0	0	0	0	16	16
22	Darbhanga	0	0	0	0	7	7
23	Madhubani	0	0	0	0	6	6
24	Samastipur	0	0	0	0	16	16
25	Saharasa	0	1	1	0	2	2
26	Supaul	0	0	0	0	12	12
27	Madhepura	0	0	0	0	5	5
28	Purnea	0	1	1	0	6	6
29	Araria	0	0	0	0	6	6
30	Kishanganj	0	0	0	0	12	12
31	Katihar	0	0	0	1	22	23
32	Bhagalpur	0	0	0	0	34	34
33	Naugachhia	0	0	0	1	3	4
34	Banka	0	0	0	0	1	1
35	Munger	0	0	0	0	6	6
36	Lakhisarai	0	0	0	0	5	5
37	Shekhpura	0	0	0	0	1	1
38	Jamui	0	0	0	0	5	5
39	Khagaria	0	0	0	0	13	13
40	Begusarai	0	2	2	2	25	27
Total		0	5	5	11	423	434

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 12,151 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(S) जनवरी माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (जनवरी - 2024)		
A	**31-04 (वेतन)**	33,17,501
B	**31-06(गैर-वेतन)**	
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	12,73,737
2	कार्यालय व्यय	1,60,204
3	जन जागरुकता	36,757
4	सुरक्षित तैराकी	54,04,141
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	4,94,099
6	विकलांग प्रशिक्षण	59,785
7	स्वास्थ्यकर्मी प्रशिक्षण	24,25,550
8	भूकंप / अग्नि सुरक्षा	22,11,093
9	बाढ़ / सूखा	7,850
10	शीत लहर	2,400
11	बी ए एस/ बी पी एस प्रशिक्षण	19,000
12	सोनपुर मेला 2023	4,76,310
13	एस डी एम एफ/ एन डी एम ए बैठक	31,294
14	मिडिया कार्यशाला	6,37,983
15	इनसे मिलिए	7,000
16	कलेण्डर	13,458
17	पेट्रोल / डीजल	59,703
18	पुरस्कार	4,000
19	यात्रा-भत्ता	59,487
20	विद्युत्	724
21	चिकित्सा	23,576
22	दूरभाष	7,847
C	**“अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र”**	89,03,664

(T) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

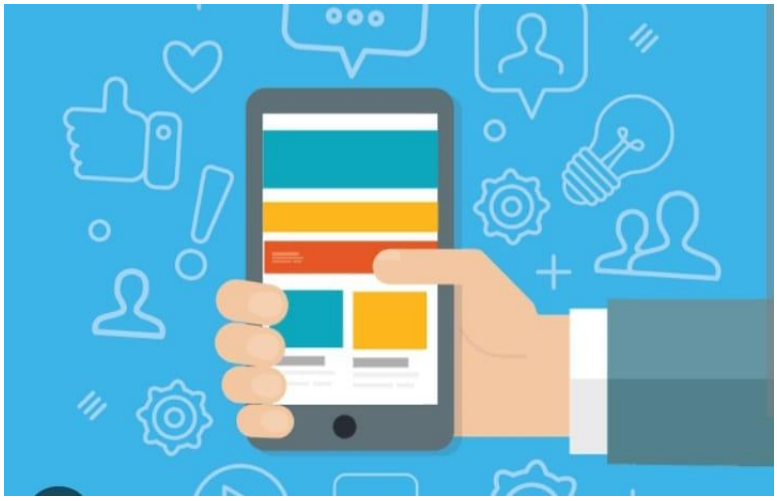

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। दिसंबर, 2023 में कुल 1773060 मास मैसेजिंग किए गए। भूकंप सुरक्षा, शीतलहर से बचाव और सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश इस माह में प्रसारित किए गए।